SET-1

Series BVM/3

कोड नं.
Code No. **61/3/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **10** printed pages and **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **16** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

downloaded from StudentSuvidha.com

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 80*

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

सामान्य निर्देश :

(i) ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या **1** से **3** **दो** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iii) *प्रश्न संख्या **4** से **9** **चार** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iv) *प्रश्न संख्या **10** से **12** **आठ** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **350** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(v) *प्रश्न संख्या **13** से **15** स्रोत आधारित प्रश्न हैं ।*

(vi) *प्रश्न संख्या **16** मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्त्वपूर्ण परीक्षण मदों का स्थान दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।*

General Instructions :

(i) *Answer **all** the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.*

(ii) *Answer to questions no. **1** to **3** carrying **2** marks should not exceed **30** words each.*

(iii) *Answer to questions no. **4** to **9** carrying **4** marks should not exceed **100** words each.*

(iv) *Answer to questions no. **10** to **12** carrying **8** marks should not exceed **350** words each.*

(v) *Questions no. **13** to **15** are source based questions.*

(vi) *Question no. **16** is a Map question that includes identification and location of significant test items. Attach the map with the answer-book.*

downloaded from StudentSuvidha.com

खण्ड क
PART A
(अति लघु-उत्तरीय प्रश्न)
(Very Short Answer Type Questions) $2\times3=6$

1. महाभारत काल के दौरान वर्ण व्यवस्था का पालन करवाने के लिए ब्राह्मणों द्वारा अपनाई गई किन्हीं दो रणनीतियों की व्याख्या कीजिए । 2

Explain any two strategies evolved by the Brahmins to enforce Varna order during the Mahabharata period.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

2. अकबर के साम्राज्य में अबुल फज़्ल की भूमिका का विश्लेषण कीजिए । *2*

Analyse the role of Abul Fazl in the empire of Akbar.

3. केबिनेट मिशन प्लान के किन्हीं दो परिणामों का उल्लेख कीजिए । *2*

अथवा

1946 में हुए प्रांतीय चुनावों के किन्हीं दो परिणामों का उल्लेख कीजिए । *2*

State any two outcomes of the Cabinet Mission Plan.

OR

State any two outcomes of the Provincial elections held in 1946.

खण्ड ख
PART B
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)
(Short Answer Type Questions) *4×6=24*

4. हड़प्पाई धार्मिक प्रथाओं के पुनर्निर्माण में पुरातत्त्वविदों द्वारा सामना की गई समस्याओं का विश्लेषण कीजिए । *4*

Analyse the problems being faced by the archaeologists to reconstruct the religious practices of Harappans.

5. अंग्रेज़ों ने बंगाल में अपने शासन के शुरू के वर्षों में ही नगर नियोजन का कार्यभार अपने हाथों में क्यों ले लिया था ? कारणों को स्पष्ट कीजिए । कलकत्ता को साफ़ करने के लिए इनके द्वारा उठाए गए किन्हीं दो कदमों का उल्लेख कीजिए । *2+2=4*

Explain the reasons why the British took upon themselves the task of town planning from the early years of their rule in Bengal. Mention any two steps taken by them to clean Calcutta.

6. भारतीय संचार प्रणाली के संदर्भ में इब्न बतूता के विवरण का वर्णन कीजिए । *4*

अथवा

भारत में जाति व्यवस्था के संदर्भ में अल-बिरूनी के विवरण का वर्णन कीजिए । *4*

Describe Ibn Battuta's description of Indian system of communication.

OR

Describe Al-Biruni's description of the caste system in India.

7. "एक साम्राज्य की राजधानी – विजयनगर में जल-संपदा सुविकसित थी ।" इस कथन की उदाहरणों सहित पुष्टि कीजिए । *4*

"Water resources were well developed in an Imperial Capital – Vijayanagara." Support the statement with examples.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com
downloaded from StudentSuvidha.com

8. "कला, साहित्य और चित्रों ने 1857 की स्मृति को जीवित रखने में योगदान दिया है ।" कथन को भारतीय राष्ट्रवाद के संदर्भ में न्यायसंगत ठहराइए । *4*

अथवा

"अवध में, 1857 का विद्रोह एक विदेशी शासन के खिलाफ़ लोक-प्रतिरोध की अभिव्यक्ति बन गया था ।" कथन को ताल्लुकदारों और किसानों के संदर्भ में न्यायसंगत ठहराइए । *4*

"Art, literature and imageries have helped in keeping alive the memory of 1857." Justify the statement in the context of Indian nationalism.

OR

"In Awadh, the Revolt of 1857 became an expression of popular resistance to an alien order." Justify the statement in the context of taluqdars and peasants.

9. मगध छठी से चौथी शताब्दी ई.पू. के मध्य सबसे शक्तिशाली जनपद कैसे बना ? व्याख्या कीजिए । *4*

Explain how Magadha became the most powerful Janapada between the sixth and fourth centuries BCE.

खण्ड ग

PART C

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

(Long Answer Questions) *8×3=24*

10. "असहयोग आंदोलन ने एक लोकप्रिय कार्यवाही के बहाव को उन्मुक्त कर दिया था जो औपनिवेशिक भारत में बिल्कुल ही अभूतपूर्व थी ।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए । *8*

अथवा

1927 – 1931 के दौरान भारत में गाँधीजी की गतिविधियों का विश्लेषण कीजिए । *8*

"Non-Cooperation Movement unleashed a surge of popular action that was altogether unprecedented in colonial India." Analyse the statement.

OR

Analyse Gandhiji's activities in India during 1927 – 1931.

11. अलवार और नयनार के राज्य और समाज के साथ संबंधों का वर्णन कीजिए । इसके साथ ही अलवारों तथा नयनारों का जाति व्यवस्था के प्रति आचार-विचार का भी वर्णन कीजिए । *8*

अथवा

ग्यारहवीं शताब्दी के बाद से भारत में सूफ़ीमत के विकास का वर्णन कीजिए । *8*

Describe the relationship between the Alvars and Nayanars with the state and society. Also, describe the attitude of Alvars and Nayanars towards caste system.

OR

Describe the growth of Sufism in India from the eleventh century onwards.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

12. "इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद, प्रारम्भ के दशकों में ज़मींदार राजस्व की माँग को अदा करने में बराबर असफल रहे ।" इस कथन के संदर्भ में कारणों की जाँच विस्तार में कीजिए । *8*

अथवा

राजमहल की पहाड़ियों के पहाड़ी लोगों की जीविका के स्रोतों की परख कीजिए । संथालों के आने पर उन्होंने किस प्रकार प्रतिक्रिया की ? *4+4=8*

"In the early decades after the Permanent Settlement, the zamindars regularly failed to pay the revenue demand." In the light of this statement, examine its causes in detail.

OR

Examine the sources of livelihood of the Paharias (hillfolk) of Rajmahal hills. How did they respond to the coming of Santhals ?

खण्ड घ

PART D

(स्रोत आधारित प्रश्न)

(Source Based Questions)

7×3=21

13. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

व्यवहार में बौद्ध धर्म

सुत्त पिटक से लिए गए इस उद्धरण में बुद्ध सिगल नाम के एक अमीर गृहपति को सलाह दे रहे हैं :

> मालिक को अपने नौकरों और कर्मचारियों की पाँच तरह से देखभाल करनी चाहिए... उनकी क्षमता के अनुसार उन्हें काम देकर, उन्हें भोजन और मज़दूरी देकर, बीमार पड़ने पर उनकी परिचर्या करके, उनके साथ सुस्वादु भोजन बाँटकर और समय-समय पर उन्हें छुट्टी देकर...
>
> कुल के लोगों को पाँच तरह से *श्रमणों* (जिन्होंने सांसारिक जीवन को त्याग दिया है) और ब्राह्मणों की देखभाल करनी चाहिए... कर्म, वचन और मन से अनुराग द्वारा, उनके स्वागत में हमेशा घर खुले रखकर और उनकी दिन-प्रतिदिन की ज़रूरतों की पूर्ति करके ।
>
> सिगल को माता-पिता, शिक्षक और पत्नी के साथ व्यवहार के लिए भी ऐसे ही उपदेश दिए गए हैं ।

(13.1) बुद्ध ने आचरण और मूल्यों को किस प्रकार महत्त्व दिया है ? *3*

(13.2) व्यक्तिगत प्रयास से सामाजिक परिवेश (संबंधों) को कैसे बदला जा सकता है ? *2*

(13.3) सिगल को श्रमणों के लिए बुद्ध द्वारा दी गई सलाह का विश्लेषण कीजिए । *2*

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

Buddhism in practice

This is an excerpt from the *Sutta Pitaka*, and contains the advice given by the Buddha to a wealthy householder named Sigala :

> In five ways should a master look after his servants and employees ... by assigning them work according to their strength, by supplying them with food and wages, by tending them in sickness; by sharing delicacies with them and by granting leave at times ...
>
> In five ways should the clansmen look after the needs of *samanas* (those who have renounced the world) and Brahmanas: by affection in act and speech and mind, by keeping open house to them and supplying their worldly needs.
>
> There are similar instructions to Sigala about how to behave with his parents, teacher and wife.

(13.1) How did Buddha give importance to conduct and values ?

(13.2) How can individual effort transform social relations ?

(13.3) Analyse the advice given by Buddha to Sigala for Samanas.

14. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

नक़द या जीन्स ?

आइन से यह एक और अनुच्छेद है :

> *अमील-गुज़ार* सिर्फ़ नक़द लेने की आदत न डाले बल्कि फ़सल भी लेने के लिए तैयार रहे । यह बाद वाला तरीक़ा कई तरह से काम में लाया जा सकता है । पहला, *कणकुतः* हिंदी ज़ुबान में *कण* का मतलब है, अनाज, और *कुत*, अंदाज़ा ... अगर कोई शक हो, तो फ़सल को तीन अलग-अलग पुलिंदों में काटना चाहिए — अच्छा, मध्यम और बदतर, और इस तरह शक दूर करना चाहिए । अकसर अंदाज़ से किया गया ज़मीन का आकलन भी पर्याप्त रूप से सही नतीजा देता है । दूसरा, *बटाई* जिसे *भाओली* भी कहते हैं (में), फ़सल काट कर जमा कर लेते हैं, और फिर सभी पक्षों की मौजूदगी में व रज़ामंदी में बँटवारा करते हैं । लेकिन इसमें कई समझदार निरीक्षकों की ज़रूरत पड़ती है; वर्ना दुष्ट-बुद्धि और मक्कार धोखेबाज़ी की नीयत रखते हैं । तीसरे, *खेत-बटाई* जब वे बीज बोने के बाद खेत बाँट लेते हैं । चौथे, *लाँग बटाई*, फ़सल काटने के बाद, वे उसका ढेर बना लेते हैं और फिर उसे अपने में बाँट लेते हैं, और हरेक (पक्ष) अपना हिस्सा घर ले जाता है और उससे मुनाफ़ा कमाता है ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(14.1) 'कणकुत:' शब्द की परख कीजिए । 2

(14.2) 'खेत-बटाई' का राजस्व वसूली करने की प्रणाली के रूप में व्याख्या कीजिए । 2

(14.3) अमील-गुज़ार की भूमिका की परख कीजिए । 3

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

Cash or kind ?

The *Ain* on land revenue collection :

> Let him (the *amil-guzar*) not make it a practice of taking only in cash but also in kind. The latter is affected in several ways. First, *kankut*: in the Hindi language *kan* signifies grain, and *kut*, estimates ... If any doubts arise, the crops should be cut and estimated in three lots, the good, the middling, and the inferior, and the hesitation removed. Often, too, the land taken by appraisement, gives a sufficiently accurate return. Secondly, *batai*, also called *bhaoli*, the crops are reaped and stacked and divided by agreement in the presence of the parties. But in this case several intelligent inspectors are required; otherwise, the evil-minded and false are given to deception. Thirdly, *khet-batai*, when they divide the fields after they are sown. Fourthly, *lang batai*, after cutting the grain, they form it in heaps and divide it among themselves, and each takes his share home and turns it to profit.

(14.1) Examine the term 'kankut'.

(14.2) Explain 'khet-batai' as the system of collecting revenue.

(14.3) Examine the role of Amil-Guzar.

15. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"खंडित निष्ठा के लिए कोई जगह नहीं"

गोविंद वल्लभ पंत ने कहा कि निष्ठावान नागरिक बनने के लिए लोगों को समुदाय और खुद को बीच में रख कर सोचने की आदत छोड़नी होगी :

> लोकतंत्र की सफलता के लिए व्यक्ति को आत्मानुशासन की कला का प्रशिक्षण लेना होगा । लोकतंत्र में व्यक्ति को अपने लिए कम तथा औरों के लिए ज़्यादा फिक्र करनी चाहिए । यहाँ खंडित निष्ठा के लिए कोई जगह नहीं है । सारी निष्ठाएँ केवल राज्य पर केंद्रित होनी चाहिए । यदि किसी लोकतंत्र में आप प्रतिस्पर्धी निष्ठाएँ रख देते हैं या ऐसी व्यवस्था खड़ी कर देते हैं जिसमें कोई व्यक्ति या समूह अपने अपव्यय पर अंकुश लगाने की बजाय बृहत्तर या अन्य हितों की ज़रा भी परवाह नहीं करता, तो ऐसे लोकतंत्र का डूबना निश्चित है ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(15.1) निष्ठावान नागरिक के प्रमुख गुण क्या हैं ? 2

(15.2) लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को क्या करना चाहिए ? 2

(15.3) यदि नागरिकों की निष्ठाएँ बँटी हों, तो राज्य अथवा लोकतंत्र का क्या हाल होगा ? 3

अथवा

निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"मेरा मानना है कि पृथक् निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित होगी"

27 अगस्त, 1947 को संविधान सभा की बहस में गोविंद वल्लभ पंत ने कहा था :

> मेरा मानना है कि पृथक् निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित होगी और उन्हें बहुत भारी नुकसान पहुँचाएगी । अगर उन्हें हमेशा के लिए अलग-थलग कर दिया गया तो वे कभी भी खुद को बहुसंख्यकों में रूपांतरित नहीं कर पाएँगे । निराशा का भाव शुरू से उन्हें अपंग बना देगा । आप क्या चाहते हैं और हमारा अंतिम उद्देश्य क्या है ? क्या अल्पसंख्यक हमेशा अल्पसंख्यकों के रूप में ही रहना चाहते हैं या वे भी एक दिन एक महान् राष्ट्र का अभिन्न अंग बनने और उसकी नियति को निर्धारित व नियंत्रित करने का सपना देखते हैं ? मेरा विचार है कि अगर उन्हें शेष समुदाय से अलग रखा जाता है और ऐसे हवाबंद कमरे में काटकर रखा जाता है जहाँ उन्हें हवा के लिए भी औरों पर निर्भर रहना पड़ेगा तो यह उनके लिए भयानक रूप से ख़तरनाक होगा ... । अगर अल्पसंख्यक पृथक् निर्वाचिकाओं से जीतकर आते रहे तो कभी प्रभावी योगदान नहीं दे पाएँगे ।

(15.1) कुछ नेताओं ने ऐसा क्यों सोचा कि अल्पसंख्यकों के लिए पृथक् निर्वाचिका होनी चाहिए ? 2

(15.2) कुछ राष्ट्रवादी पृथक् निर्वाचिका की माँग के विरोध में क्यों थे ? 2

(15.3) गोविंद वल्लभ पंत पृथक् निर्वाचिका को अल्पसंख्यकों के लिए हानिकारक क्यों मानते थे ? 3

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"There cannot be any divided loyalty"

Govind Ballabh Pant argued that in order to become loyal citizens people had to stop focusing only on the community and the self :

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

For the success of democracy one must train himself in the art of self-discipline. In democracies one should care less for himself and more for others. There cannot be any divided loyalty. All loyalties must exclusively be centred round the State. If in a democracy, you create rival loyalties, or you create a system in which any individual or group, instead of suppressing his extravagance, cares nought for larger or other interests, then democracy is doomed.

(15.1) What are the major attributes of a loyal citizen ?

(15.2) What should the citizens do for the success of democracy ?

(15.3) What will happen to the State or democracy if the citizens have divided loyalties ?

OR

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"I believe separate electorates will be suicidal to the minorities"

During the debate on 27 August, 1947, Govind Ballabh Pant said :

I believe separate electorates will be suicidal to the minorities and will do them tremendous harm. If they are isolated for ever, they can never convert themselves into a majority and the feeling of frustration will cripple them even from the very beginning. What is it that you desire and what is our ultimate objective ? Do the minorities always want to remain as minorities or do they ever expect to form an integral part of a great nation and as such to guide and control its destinies ? If they do, can they ever achieve that aspiration and that ideal if they are isolated from the rest of the community ? I think it would be extremely dangerous for them if they were segregated from the rest of the community and kept aloof in an air-tight compartment where they would have to rely on others even for the air they breathe ... The minorities if they are returned by separate electorates can never have any effective voice.

(15.1) Why did some leaders think that there should be separate electorates for minorities ?

(15.2) Why were some nationalists against the demand of separate electorates ?

(15.3) Why did Govind Ballabh Pant consider separate electorates harmful for the minorities ?

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

खण्ड ङ

PART E

(मानचित्र प्रश्न / Map Question)

2+3=5

16. (16.1) **भारत** के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 11 पर), में निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिए : *1×2=2*

(क) कलकत्ता – 1857 के विद्रोह का एक केन्द्र ।

अथवा

सूरत – 1857 में ब्रिटिश के अधीन एक स्थान ।

(ख) पानीपत – मुग़ल साम्राज्य के अधीन क्षेत्र ।

अथवा

विजयनगर

(16.2) **भारत** के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र में, अशोक के शिलालेखों से संबंधित तीन स्थानों को A, B और C से अंकित किया गया है । उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम उनके पास खींची गई रेखाओं पर लिखिए । *1×3=3*

(16.1) On the given political outline map of **India** (on page 11), locate and label the following appropriately :

(a) Calcutta – a Centre of Revolt, 1857.

OR

Surat – a place under British control in 1857.

(b) Panipat – Territory under Mughal Empire.

OR

Vijayanagara

(16.2) On the same political outline map of **India**, three places have been marked as A, B and C, which are related to Ashokan inscriptions. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्र. सं. 16 के स्थान पर हैं :*

Note : *The following questions are for the **Visually Impaired Candidates** only in lieu of Q. No. 16 :*

(16.1) मुग़ल साम्राज्य के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए ।

(16.2) 1857 के विद्रोह के किसी एक केन्द्र का उल्लेख कीजिए ।

(16.3) अशोक के शिलालेखों से संबंधित किन्हीं तीन स्थानों के नाम लिखिए । *1+1+3=5*

अथवा

किन्हीं तीन बौद्ध स्थलों के नाम लिखिए । *1×3=3*

(16.1) Name any one territory under the Mughal Empire.

(16.2) Mention any one Centre of Revolt of 1857.

(16.3) Name any three places related to Ashokan inscriptions.

OR

Name any three Buddhist sites.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

प्रश्न सं. 16.1 और 16.2 के लिए

For question no. 16.1 and 16.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

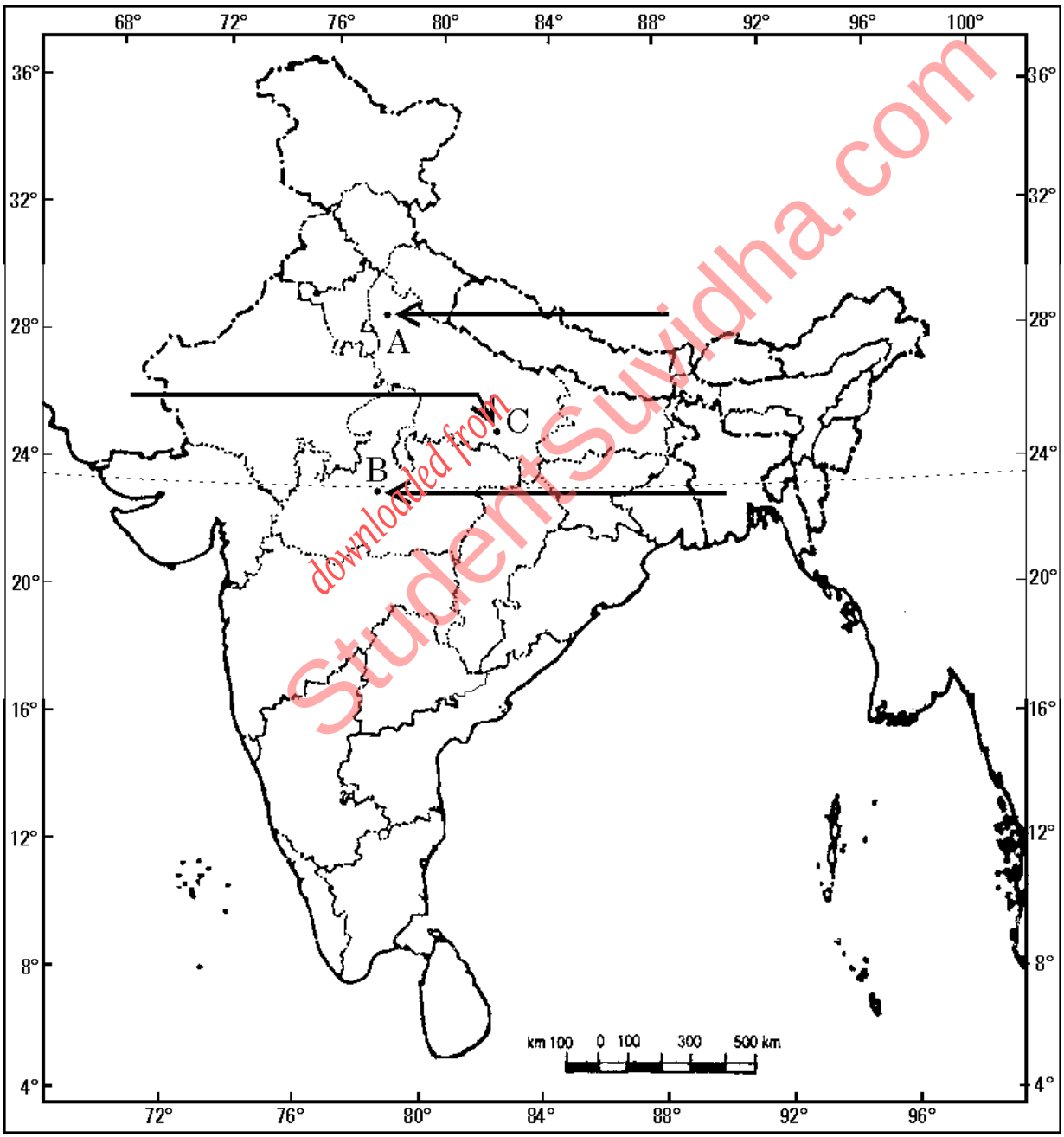

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com